

दैनिक समाज जागरण

बिगड़ गयी।
मजे की बात ये है
कि जैसे ही सीट
नंबर 222 का जिक्र
हुआ, वैसे ही इस सीट

संसद में नोटों की गड़ियों का दृष्टिकोण

भारतीय संसद हर मामले में दुनिया की दूसरी सांसदों से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है। हमारी संसद में प्रदर्शनकारी भी घुस सकते हैं, आतंकी भी हमला कर सकते हैं और सांसद भी नोटों की गड़ियां लहरा सकते हैं। विधेयकों को फाड़ना तो आम बात है। संसद के शीत सत्र में जिस दिन किसान आदेलन पर, संविधान पर चर्चा होना था उसे नोटों की गड़ियों ने धूमिल कर दिया। सभापाति श्रीमान जगदीप धनकड़ साहब ने सदन की कार्रवाई शुरू होते ही ये बम फोड़ा।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा से पिछा है। वे कहते हैं कि उन्होंने सोचा कि जिस किसी सांसद के ये नोट होंगे वे आगे और अपना दावा जातेये, जिन्होंने अपना तब उन्होंने इस मामले की जांच करने के लिए कहा। धनकड़ साहब की सूचना सत्ता पक्ष के लिए एक नया हथियार बन गया। सत्ता पक्ष ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया तो विपक्ष के नेता श्रीमान मलिलकार्जुन खड़गे खड़े हो गए। उन्होंने कहा की जब तक मामले की जांच के निष्कर्ष नहीं आ जाते तब तक कोई किसी को कैसे दोषी ठहरा सकता है। सत्ता पक्ष के नेता जेंपी नड्डा साहब ने खड़गे पर माले की जांच की दबावे की कोशिश बताया तो बात और सवाल ये हैं कि किसे सही माना जाए। ? अधिष्ठेक

क्या भूलें क्या याद रखें

क्या भूलूँ क्या याद रखूँ, यह प्रश्न
अक्सर अति विचारणात्मक होता है,
निंदा करने वालों से दूर नहीं रहना,
निंदा पर विचार प्रोत्साहन देता है।

सब कुछ ऐसे होने की उमीद ही
एक सकारात्मक सोच नहीं होती,
जिस पल जो कुछ होता है वही सोच
उस पल के लिए सदा सतीप देती।

लोग प्यार भी करते हैं और धोखा
भी, यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है,
ईंवेंकर की भक्ति का पुण्य और पाप
दोनों साथ साथ ही किए जाते हैं।

मय खने में बैठ कर ईंवेंकर को भी
चाह करना कोई बुरी बात नहीं है,
बल्कि मंदिर में पूजा के साथ महिला
की चाहत रखना अवश्य बुरी होती है।

अग्र हम बदसूरत हैं तो हैं, क्या फर्क़
पड़ता है, स्वीकारना उचित होता है,
हमेशा की सुरुता व सलता हव्य के
अंदर दूबने से कोई नहीं जांकता है।

कसरत काम में जाकर मन लगाना,

क्योंकि तेंदुसूत मसल कोई नहीं

देखता अपकी दौलत सब देखते हैं।

तीलए का हर छोर समान रूप से शर-
पे पांछों में उत्तेज करना चाहिये,

क्योंकि अजाज नित्य पौछे जाते हैं

तो कल उससे मुँह भी पौछा जाता है।

बुद्धापा आता है तो भी उन नोटों की
मुख्यरुहट कभी नहीं रुकनी चाहिये,

बुद्धापा महसूस न हो पाये इन्हें।

आदिल अधिक खुश रहना चाहिए।



कर्नल आदि शंकर मिश्र 'आदिल्य'

लखनऊ

प्रयोगर्थमी के नेतृत्व में

कांग्रेस को नए सिरे से,

मजबूत करने के लान पहुँच चाहे।

सभी चिंतित की लोकसभा में

पार्टी में बात हो रही शिक्षा के जाऊँ।

कड़े सामान से पार्टी की हो चुकी हालत

खता,

अडानी-अडानी करते भटक गए स्तर।

कई राज्य जैते-जीते हों,

हरियाणा-महाराष्ट्र में हो गए बांग्न-न्यारे।

देखते रह गए मुख्यमंत्री बनने के समने,

देखो इसकर चल दिये अपनी को अपने।

वैसे तो खड़ाजी के हाथ में है कमान,

तीर चलाए राज्य जाऊँ, प्रियका बनी

महान।

ज्ञान देते बाबा सविधान का,

नहीं पूँछे जाए अपनी में प्राप्त।

मुझ बदला संकट से उबरते,

यारों तभी आपी पार्टी में जान।

संजय एम. तराणेकर

(कवि, लेखक व समीक्षक)

इन्दौर-452011 (मध्यप्रदेश)

98260-25986

बिगड़ गयी।
मजे की बात ये है
कि जैसे ही सीट
नंबर 222 का जिक्र

हुआ, वैसे ही इस सीट

पर बैठें वाले किंग्रेस के अधिष्ठेक मनु सिंघवी का

बयान आ गया। अधिष्ठेक जी कहते हैं कि वे तो

केवल पांच सौ का एक नॉट लेकर सदन जाते हैं।

भारतीय संसद हर मामले में दुनिया की दूसरी सांसदों से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है। हमारी संसद में प्रदर्शनकारी भी घुस सकते हैं, आतंकी भी हमला कर सकते हैं और सांसद भी नोटों की गड़ियां लहरा सकते हैं। विधेयकों को फाड़ना तो आम बात है। संसद के शीत सत्र में जिस दिन किसान आदेलन पर, संविधान पर चर्चा होना था उसे नोटों की गड़ियों ने धूमिल कर दिया। सभापाति श्रीमान जगदीप धनकड़ साहब ने सदन की कार्रवाई शुरू होते ही ये बम फोड़ा।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से पिछा है। वे कहते हैं कि उन्होंने सोचा कि जिस

किसी सांसद के ये नोट होंगे वे आगे और अपना

दावा जातेये, जिन्होंने अपना तब उन्होंने

इस मामले की जांच करने के लिए कहा। धनकड़

साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा

से अलग है, अनूठी है, विशिष्ट है।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल

